Mo Tu We Th Fr Sa Su   Date / /

टिशूज़ (Tissues) टिशू कोशिका के ऐसे समूह हैं जो कोई विशेष कार्य करते हैं तथा शरीर के सामूहिक तौर पर काम आते हैं। किसी भी अंग अथवा इंद्रि के बीच स्थित प्रत्येक प्रकार के टिशू का अलग-अलग तथा विशिष्ट कार्य होता है।

टिशू मुख्य रूप में चार प्रकार के होते हैं—

1- उपकला टिशू (एपीथेलियल टिशू) (Epithelial tissue)

एपीथेलियल (उपकला) टिशू का मुख्य कार्य शरीर की सुरक्षा करना है यह सारे शरीर तथा सभी अंगों को ढक लेता है। यह शरीर के अंगों की भीतरी सतह को भी ढकता है तथा उनकी सुरक्षा करता है। ऐसे अंगों में मुख, भोजन नलिका, पेट, आंतड़ियां, फेफड़े, श्वास नलिका, रक्त नाड़ियां तथा मसाना शामिल हैं।

[ii] संयोजक टिशू (connective Tissue) संयोजक टिशू दो अथवा दो से अधिक अंगों को आपस में बाँध कर रखते हैं। यह टिशू शरीर के भिन्न-भिन्न अंगों के बीच खाली स्थान को भर कर रखते हैं। ये शरीर को सहायता तथा सामर्थ्य देने के अतिरिक्त आकार भी प्रदान करते हैं। [i] हड्डी एक सख्त संयोजक टिशू है। [ii] कार्टिलेज एक नर्म टिशू है जो कार्टिलेज कोशिकाओं से निर्मित है [iii] रक्त एक तरल संयोजक टिशू है। इसमें तीन प्रकार की कोशिकाएं विद्यमान रहती रहती हैं। लाल रक्त कोशिकाएं, श्वेत रक्त कोशिकाएं, बिंबाणु (Platelets) मैट्रिक्स एलंड (प्लाज़्मा) नाम के तरल पदार्थ से भरा होता है।

[iii] माँस पेशी पेशी टिशू (Muscular Tissue) माँसपेशियों के टिशू शरीर की माँसपे...

Date / /

की रचना करते हैं। यह शरीर के हर उस भाग में विद्यमान होते हैं जिसे हरकत के लिए प्रयोग में लाया जाता है। यह शरीर के कुल वजन के एक तिहाई भाग से अधिक वजन के होते हैं।

यह टिशू तीन प्रकार के होते हैं —

[i] स्वैच्छिक या स्ट्राइपड पट्ठे (Voluntary or Striped Muscles) — यह पट्ठे हड्डियों के साथ जुड़े होते हैं तथा हरकत करने में उनकी सहायता करते हैं। यह हमारे नियंत्रण में होते हैं। हम इन्हें हिला डुला सकते हैं। मोड़ सकते हैं तथा सीधा कर सकते हैं। हम इन पट्ठों का प्रयोग दौड़ने, वजन उठाने अथवा लिखने के लिए करते हैं।

[ii] अनैच्छिक अथवा समतल मॉसपेशियां (Involuntary or Smooth Muscles) — इन मॉस-पेशियों की हरकत हमारे नियंत्रण में नहीं होती है। ये शरीर के बहुत से आंतरिक अंगों की दीवारों में विद्यमान होती हैं। पाचन तथा श्वसन की मॉसपेशियां।

[iii] हृदय की मॉस पेशियां (Cardiac or Heart Muscles) — यह मॉस पेशियां केवल दिल में विद्यमान हैं। ये लगातार फैलती तथा सिकुड़ती रहती हैं। तथा समस्त जीवन के दौरान बिना थकावट महसूस किये लगातार काम करते रहती हैं।

4- स्नायविक टिशू (Nervous tissue) — स्नायविक जो क्रिया एक ऐसी रचना है जो कोशिकाओं के ढांचे से निर्मित है।

इसके भीतर नाभिकीय अथवा केन्द्र-बिंदु तथा बड़ा सा ढाँचा विद्यमान रहता है जिन्हें (Axon) कहा जाता है।

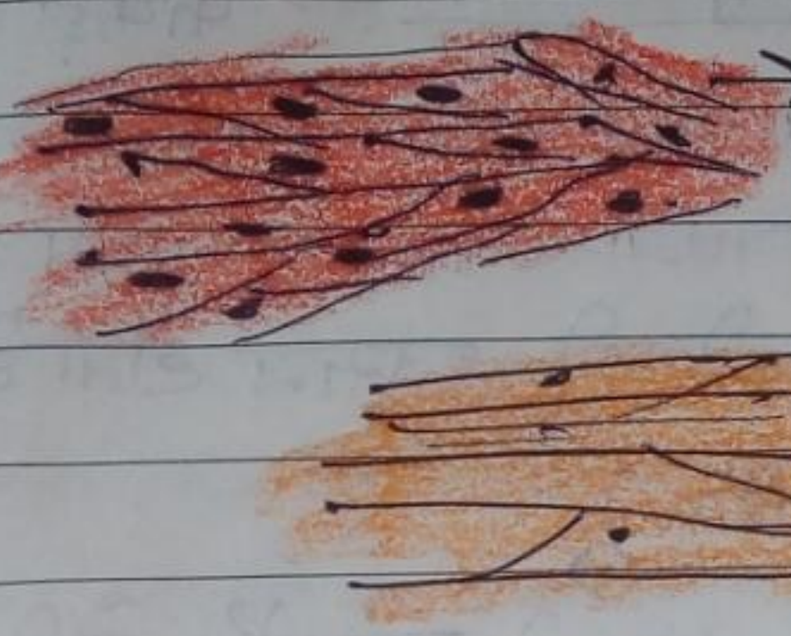

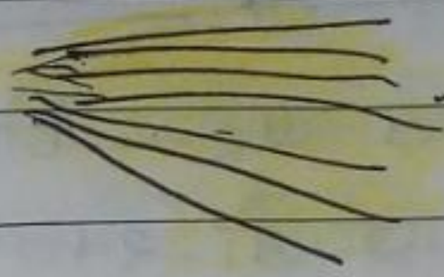

बड़ी संख्या में स्नायविक तंतु मिल कर एक शिरा (Nerve) का निर्माण करते हैं। केवल इन्हीं शिराओं के माध्यम से शरीर के एक भाग से दूसरे भाग तक संदेश पहुँचता है / दिमाग तथा रीढ़ की हड्डियाँ इन्ही स्नायविक रिशुओं से बनी होती हैं।